Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

22

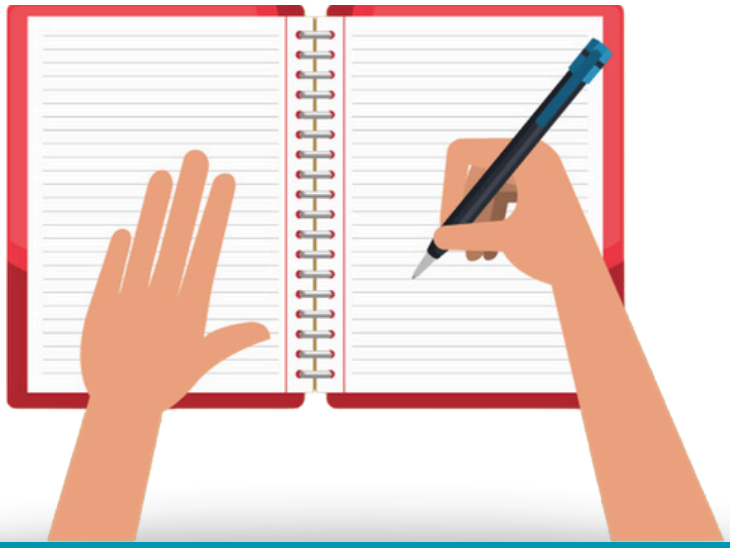

मिशन इंद्रधनुष और टीकाकरण अभियान

- मिशन इंद्रधनुष भारत सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है। जिसका उद्देश्य कम टीकाकरण कवरेज वाले क्षेत्रों में छूटे बच्चे और गर्भवती महिलाओं को आवश्यक टीके प्रदान करना है।

- इस कार्यक्रम के तहत 11 प्रकार के टीके प्रदान किये जाते है। जो बच्चों और गर्भवती महिलाओं को 12 गंभीर बीमारियों से बचाते है।

- अब तक मिशन इंद्रधनुष के सभी चरणों में कुल 5.46 करोड़ बच्चों और 1.32 करोड़ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जा चुका है। इससे राष्ट्रीय सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत टीकाकरण कवरेज में वृद्धि हुई है।

- इसी के तहत यू-विन पोर्टल शुरू किया गया है।

- विश्व टीकाकरण दिवस हर साल 10 नवंबर को मनाया जाता है।

- विश्व टीकाकरण की शुरुआत साल 2012 में विश्व स्वास्थ्य संगठन WHO ने की थी।

WHO WHO संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी है। जो वैश्विक स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए कार्य करती है।

- स्थापना- 7 अप्रैल 1948
- मुख्यालय -जिनेवा (स्विट्जरलैंड)
- सदस्य देश- 194

मिशन इंद्रधनुष और टीकाकरण अभियान

टीकाकरण से बचाने वाली बीमारियाँ:
मिशन इंद्रधनुष के तहत जिन बीमारियों के लिए टीके उपलब्ध कराए जाते हैं, वे हैं:

1. डिप्थीरिया (Diphtheria)
2. काली खाँसी (Pertussis)
3. टेटनस (Tetanus)
4. पोलियो (Polio)
5. तपेदिक (Tuberculosis)
6. खसरा (Measles)
7. हेपेटाइटिस बी (Hepatitis B)

विस्तारित कार्यक्रम:

- बाद में अन्य बीमारियों को भी शामिल किया गया, जैसे:
  - हेमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी (Hib)
  - जापानी एंसेफेलाइटिस (Japanese Encephalitis - JE)
  - रोटावायरस डायरिया।
  - रूबेला।

कार्यप्रणाली और रणनीतियाँ:

1. लक्षित समूह:
   - 0 से 2 वर्ष की आयु के बच्चे।
   - गर्भवती महिलाएँ।
   - उन बच्चों और महिलाओं पर विशेष ध्यान, जिन्होंने टीकाकरण की कोई खुराक नहीं ली या अधूरी खुराक ली है।
2. क्षेत्र:
   - उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाती है, जहां टीकाकरण का कवरेज 50% से कम है।
   - शहरी मलिन बस्तियाँ, दूरदराज के इलाके, घुमंतू जनजातियाँ, और कठिनाई वाले क्षेत्रों को विशेष रूप से लक्षित किया जाता है।
3. अभियान का संचालन:
   - स्वास्थ्य कार्यकर्ता (ASHAs, ANMs, और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता) घर-घर जाकर बच्चों और महिलाओं को टीका लगाते हैं।
   - गाँवों और बस्तियों में टीकाकरण सत्र आयोजित किए जाते हैं।
4. साझेदारी:
   - यह अभियान विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), यूनिसेफ (UNICEF), और गावी (GAVI)जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों के सहयोग से चलाया जाता है।

22/Jan/P2

सिकल सेल एनीमिया

सिकल सेल एनिमिया एक आनुवांशिक रक्त विकार है जिसमें लाल रक्त कणिकाएं सामान्य रूप से लचीली और गोलाकार नहीं होती बल्कि (हँसिया) के आकार की होती है।

- भारत सरकार ने 2047 तक सिकल-सेल एनीमिया को समाप्त करने का लक्ष्य रखा है।
- मध्यप्रदेश में सिकल सेल एनीमिया के करीब 20000 से अधिक रोगियों की पहचान की गई है।

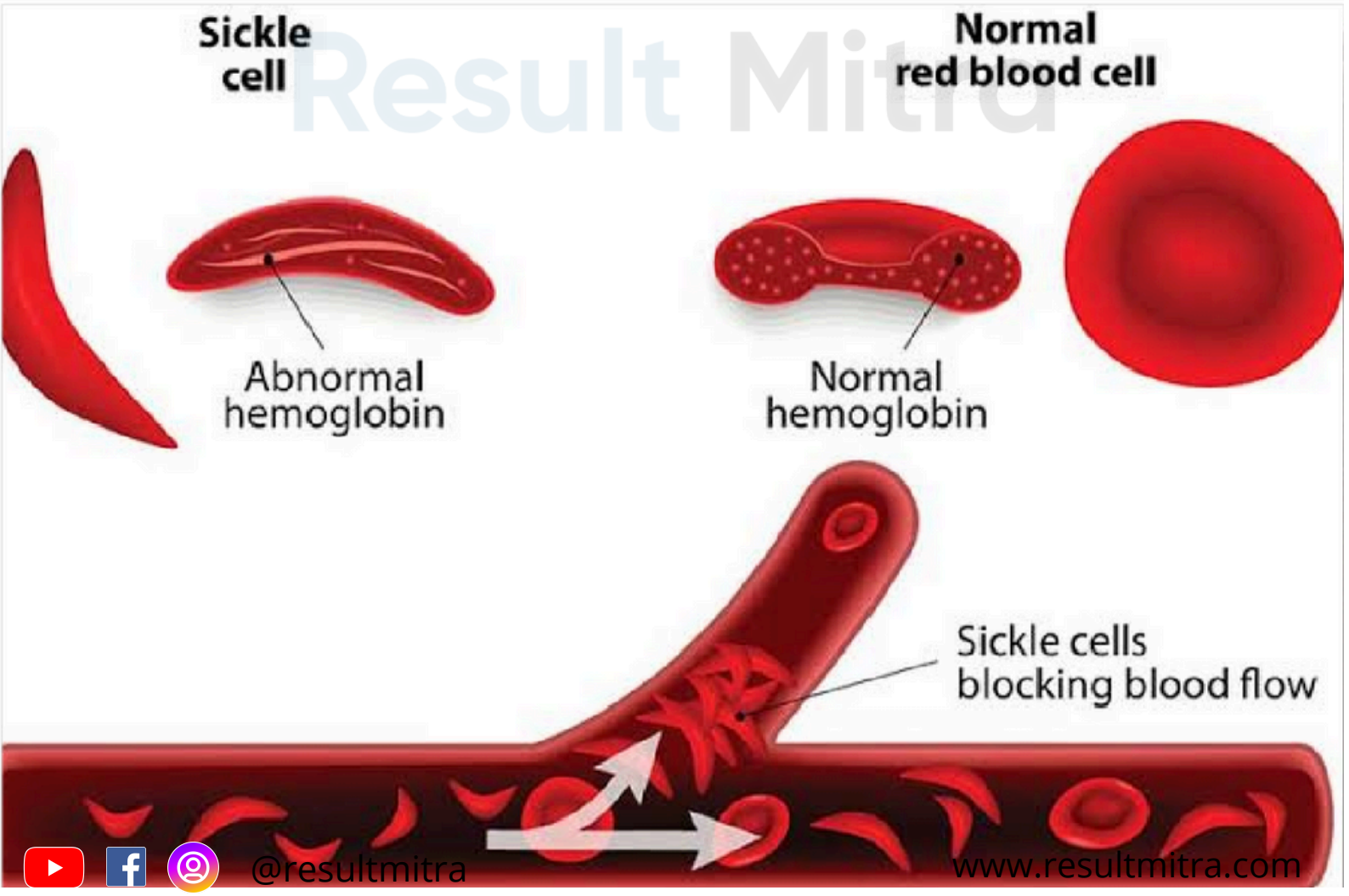

Result Mitra
@resultmitra
www.resultmitra.com

भारतीय कॉफी की विश्व में बढ़ती मांग

22/Jan/P3

भारतीय कॉफी की वैश्विक मांग में हाल के वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है जिससे भारत कॉफी उत्पादन में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर पहुंच गया है

- वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कॉफी निर्यात 1.29 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया। जो 2020-21 के 719.42 मिलियन डॉलर से लगभग दोगुना है
- भारत के प्रमुख कॉफी उत्पादक राज्य कर्नाटक केरल और तमिलनाडु हैं
- भारत में कॉफी उत्पादन की शुरुआत 1600 ई में हुई थी।
- भारत में कॉफी की दो मुख्य किस्में हैं अरेबिका और रोबस्टा
- भारत में कॉफी की खेती पूर्वी घाट और पश्चिमी घाट में होती है

Result Mitra

भारतीय कॉफी की विश्व में बढ़ती मांग

भारतीय कॉफी की प्रमुख किस्में:

1. अरेबिका (Arabica):
    - यह उच्च गुणवत्ता वाली कॉफी है, जो हल्के और मधुर स्वाद के लिए प्रसिद्ध है।
    - इसे ज्यादातर ऊँचाई वाले क्षेत्रों में उगाया जाता है।
2. रोबस्टा (Robusta):
    - यह मजबूत और गहरे स्वाद वाली कॉफी है।
    - इसमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है और यह मुख्यतः निचले इलाकों में उगाई जाती है।

सरकार की पहल:

1. कॉफी बोर्ड ऑफ इंडिया:
    - स्थापना: 1942 में।
    - कॉफी बोर्ड भारतीय कॉफी के उत्पादन, गुणवत्ता, और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है।
2. GI टैग:
    - भारतीय कॉफी की विशिष्टता को पहचानने के लिए विभिन्न किस्मों को भौगोलिक संकेतक (GI Tag) दिया गया है, जैसे:
        - कोडागु अरेबिका कॉफी
        - चिकमगलूर अरेबिका कॉफी
        - बाबा बुदानगिरी कॉफी
        - वायनाड रोबस्टा कॉफी
        - मॉनसूनड मालाबार कॉफी
3. सस्टेनेबल खेती को बढ़ावा:
    - सरकार ने सस्टेनेबल फार्मिंग प्रैक्टिसेस और ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएँ चलाई हैं।
4. अंतरराष्ट्रीय मार्केटिंग:
    - भारतीय कॉफी को वैश्विक बाजार में बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों पर प्रदर्शन किया जाता है।
    - भारत "स्पेशलिटी कॉफी एसोसिएशन" जैसे संगठनों में सक्रिय रूप से भाग लेता है।

22/Jan/24

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और नेताजी का योगदान

23 जनवरी 2025 को नेताजी सुभाष-चन्द्र बोस की 128 वीं जयंती है।
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा के कटक शहर में हुआ था।

- उनका परिवार बंगाली कायस्थ था।
- पिता का नाम जानकीनाथ बोस तथा माँ का नाम प्रभावती देवी था।
- अक्टूबर 1943 में सिंगापुर में आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की।
- 1942 में सिंगापुर में ही आजाद हिन्द फौज की स्थापना की।
- प्रमुख नारे- "तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूँगा।
  [जय हिन्द

Result Mitra

नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और नेताजी का योगदान

राजनीतिक करियर और संघर्ष:

- कांग्रेस में भूमिका:
  - सुभाष चंद्र बोस भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक बने।
  - 1938 और 1939 में उन्होंने कांग्रेस के अध्यक्ष पद को संभाला।
- फॉरवर्ड ब्लॉक (Forward Bloc):
  - 1939 में महात्मा गांधी और अन्य नेताओं से वैचारिक मतभेद के कारण, उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर "फॉरवर्ड ब्लॉक" की स्थापना की।
  - इस संगठन का उद्देश्य देश को स्वतंत्रता दिलाने के लिए भारतीय जनता को संगठित करना था।
- ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष:
  - ब्रिटिश सरकार ने उन्हें बार-बार गिरफ्तार किया, लेकिन उन्होंने हर बार स्वतंत्रता संग्राम में अपनी भूमिका को और अधिक मजबूत किया।
  - उन्होंने 1940 में अपने घर पर नजरबंदी से भागकर ब्रिटिश सरकार को चकमा दिया और विदेश में जाकर स्वतंत्रता संग्राम के लिए समर्थन जुटाना शुरू किया।

आजाद हिंद फौज (Indian National Army - INA):

- आजाद हिंद फौज की स्थापना:
  - नेताजी ने 1943 में जापान के समर्थन से आजाद हिंद फौज (INA) का पुनर्गठन किया।
  - INA की स्थापना मूल रूप से रास बिहारी बोस ने की थी। नेताजी ने इसे अधिक संगठित और प्रभावी बनाया।

1. INA का उद्देश्य:
    - ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से भारत को स्वतंत्र कराना।
    - नेताजी ने भारतीय सैनिकों को प्रेरित किया कि वे "दिल्ली चलो" का नारा लेकर ब्रिटिश हुकूमत को उखाड़ फेंकें।
2. प्रमुख अभियान:
    - INA ने 1944 में भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों (अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड) में प्रवेश किया और इम्फाल और कोहिमा की लड़ाई लड़ी।
    - हालांकि, जापान की हार के कारण INA का अभियान असफल रहा, लेकिन इसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को एक नई ऊर्जा प्रदान की।
3. नारे और आदर्श:
    - नेताजी के प्रसिद्ध नारे थे:
        - "तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूँगा।"
        - "जय हिंद!"
    - "जय हिंद" आज भारत का एक राष्ट्रीय अभिवादन बन गया है।

नेताजी का अंतरराष्ट्रीय समर्थन:

1. विदेशों का दौरा:
    - नेताजी ने जर्मनी, जापान, और इटली जैसे देशों का दौरा किया और वहाँ के नेताओं से समर्थन प्राप्त किया।
    - उन्होंने हिटलर और मुसोलिनी से भी मुलाकात की और ब्रिटिश साम्राज्य के खिलाफ उनकी मदद मांगी।
2. आजाद हिंद सरकार (Provisional Government of Free India):
    - 21 अक्टूबर 1943 को नेताजी ने सिंगापुर में "आजाद हिंद सरकार" की स्थापना की।
    - इस सरकार को जर्मनी, जापान, इटली और कई अन्य देशों का समर्थन प्राप्त हुआ।
3. आजाद हिंद बैंक:
    - नेताजी ने "आजाद हिंद बैंक" की स्थापना की, ताकि स्वतंत्रता संग्राम के लिए धन जुटाया जा सके।

22/Jan/25

क्या भारत के लिए अच्छा संकेत है ट्रंप युग

- डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने से भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू सामने आ सकते हैं

सकारात्मक पहलू

- रणनीतिक साझेदारी
- व्यापार और निवेश

नकारात्मक पहलू

- अमेरिका फर्स्ट नीति
- वैश्विक दृष्टिकोण

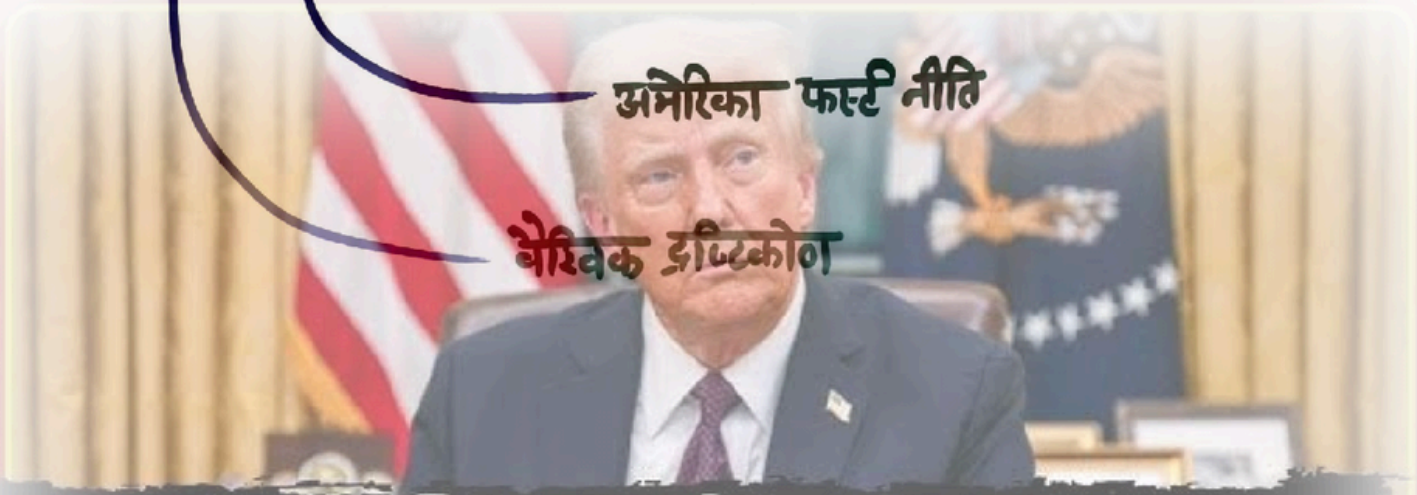

अमेरिका में 'ट्रंप युग' की वापसी

Result Mitra

भारत के प्रति डोनाल्ड ट्रम्प का नजरिया

22/Jan/Pg

(1) भारत को एक मजबूत साझेदार मानना

(2) व्यापार में सुधार

(3) रक्षा और सुरक्षा सहयोग

(4) व्यक्तिगत संबंधों का महत्व

(5) भारत के विकास की सराहना

(6) व्यापारिक मुद्दे

Result Mitra

भारत के प्रति डोनाल्ड ट्रम्प का नजरिया

ट्रंप शासनकाल में प्रमुख बदलाव और उसके प्रभाव-

(1) अमेरिकी घरेलू नीति और अर्थव्यवस्था

a) घरेलू उद्योगों और नौकरियों को प्राथमिकता

b) मेड इन अमेरिका नीति

c) अमेरिका कंपनियों के घरेलू उत्पादन पर जोर देने के लिए कहना

(2) वैश्विक राजनीति पर प्रभाव

a) ट्रंप की विदेश नीति अमेरिकी हितों को प्राथमिकता देगी

भारत-अमेरिका संबंध-

सकारात्मक प्रभाव-

1. भारत-अमेरिका रक्षा, तकनीक, आतंकवाद के मुद्दों पर पारस्परिक सहयोग देखने को मिलेगा।
2. चीन के खिलाफ अमेरिका, भारत को एक मजबूत सहयोगी के रूप में देखेगा।
3. पाकिस्तान के आतंकवाद नेटवर्क के खिलाफ भी ट्रंप का रूख भारत के पक्ष में होगा।

नकारात्मक पक्ष-

1. एच 1 बीजा पर सख्ती
2. अमेरिका में भारतीयों को नौकरी पर खतरा
3. अमेरिका उद्योगों को सरंक्षणवादी नीति से अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों पर प्रभाव

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.
2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹
3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹
4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹
5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए
WhatssApp कीजिये
9235313184, 9235446806